जुलाई 2020

1. आकांक्षी जिले: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला ने नीति आयोग की की डेल्टा रैंकिंग में सबसे ऊपर है

- नवादा (बिहार) को चौथा और मोगा (पंजाब) को पांचवें स्थान पर रखा गया है।
- जनवरी 2018 में शुरू किया गया, आकांक्षी जिले के परिवर्तन की पहल का उद्देश्य इन जिलों को एक जन आंदोलन के माध्यम से इस विषमता को जल्दी और प्रभावी रूप से दूर करना है।
- स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और आधारभूत ढांचे, आदि विकास के क्षेत्र थे जिन्हें रैंकिंग के लिए विचाराधीन रखा गया था।
- कार्यक्रम एवं अभिसरण के व्यापक रूप में रुपरेखा (केंद्रीय और राज्य योजनाओं के), सहयोग (केंद्रीय, राज्य स्तर के 'प्रहरी' अधिकारियों और जिला समाहर्ता), और जन आंदोलन की भावना से संचालित जिलों के बीच प्रतिस्पर्धा

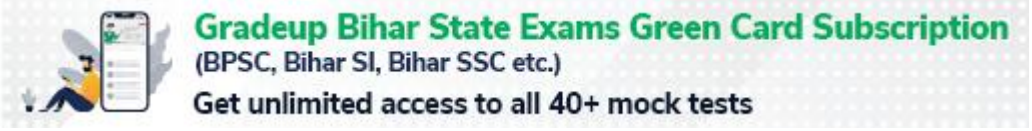

कर रहे हैं। मुख्य वाहकों के रूप में राज्यों के साथ, यह कार्यक्रम प्रत्येक जिले की शक्ति पर ध्यान केंद्रित करेगा, तात्कालिक सुधार, प्रगति का मापन आदि की पहचान करेगा।

- नीति आयोग केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के समर्थन के साथ कार्यक्रम के आधार के रूप में कार्य करता है।

बिहार के आकांक्षी जिले की सूची

बिहार	सीतामढ़ी
बिहार	शेखपुरा
बिहार	पूर्णिया
बिहार	नवादा
बिहार	मुजफ्फरपुर
बिहार	खगड़िया

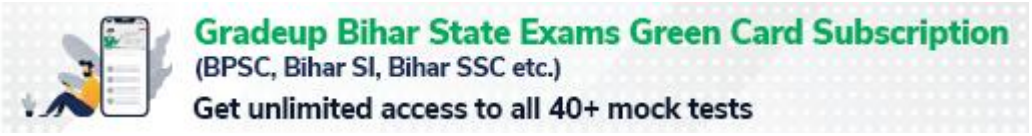

बिहार	कटिहार
बिहार	जमुई
बिहार	गया
बिहार	बेगूसराय
बिहार	बांका
बिहार	औरंगाबाद
बिहार	अररिया

2. बीएयू (बिहार कृषि विश्वविद्यालय) के वैज्ञानिकों ने आर्सेनिक प्रदूषण को रोकने के लिए बैक्टीरिया विकसित किया है

- बीएयू के वैज्ञानिकों ने जैव आर्सेनिक प्रशामक बैक्टीरिया का नामकरण 'सबौरबियो-आर्सेनिक मिटिगेटर -1 (एसबीएएम -1) के रूप में किया है जो पकृषि क्षेत्रों से आर्सेनिक सहित पर्यावरण प्रदूषकों को नष्ट कर देते हैं।

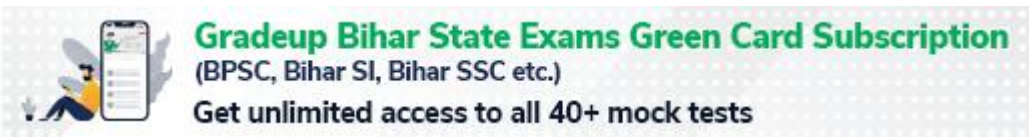

- वैज्ञानिकों के कहा "आर्सेनिक दूषण पौधों, पशुओं एवं मानव के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। आर्सेनिक दूषण को कम करने के अन्य तरीके महंगे हैं और उनसे अब तक बहुत कम सफलता मिली है"।

3. भागलपुर से बक्सर तक अश्वगंधा कॉरिडोर बनाया जाएगा, औषधीय पौधों का विकास किया जाएगा

- अश्वगंधा में बहुत अधिक रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है। यह रोग प्रतिरोधक वर्धक की तरह कार्य करता है। कोरोनाकाल में विश्व स्तर पर इसकी मांग की जा रही है। अश्वगंधा की खेती करना आसान है। इसकी खेती से किसान समृद्ध बनेंगे। अश्वगंधा की जड़ सबसे उपयोगी है। सभी उम्र के लोग इसका उपयोग कर सकते हैं। इसका औषधि बनाने के लिए भी किया जाता है।

4. पीढ़ियों से भागलपुर रेशम उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। ट्रैफिक सिग्नल पर "सिल्क सिटी" लिखा होता है, जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी " बिहार का रेशम नगर या सिल्क सिटी ऑफ बिहार" लिखा हुआ है

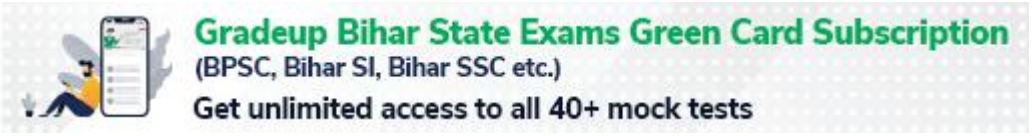

5. बिहार में बापू आपके द्वार अभियान ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, इसे लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया

- चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, महात्मा गांधी के अनुशासनों को लोकप्रिय बनाने के लिए बिहार में सबसे बड़ा अभियान, 'बापू आपके द्वार' को लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स से दर्ज़ किया गया है।

6. बिहार के अनिल किशोर ब्रिक्स बैंक के उपाध्यक्ष बने

- बिहार के भोजपुर जिले के निवासी अनिल किशोर को ब्रिक्स बैंक का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वह यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं।